



# मुक्त चिंतन

## उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)



हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

06 जून, 2020

## मुविवि में कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन



मा0 कुलपति प्रो० के०एन० सिंह जी

**SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION**  
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

PRESENTS  
**NATIONAL WEBINAR**

**MEDIA ETHICS DURING COVID-19: PANDEMIC**

DATE: 07th JUNE '20      TIME: 12 PM ONWARD

**KEYNOTE SPEAKER**



MRS. TABLIN VIJAY  
FORMER EDITOR, PANCHAJANYA,  
FORMER SAHA, SAHANA MEMBER

**PATRON**



PROF. K. N. SINGH  
VICE CHANCELLOR,  
UPRETOU, PRAYAGRAJ

**CHIEF GUEST**



MR. JAGDISH UPASANI  
FORMER EDITOR, PANCHAJANYA,  
FORMER VC, ANCHOR, BHOPI

**SPECIAL GUEST**



MRS. NAVYOT BANDHWA  
EMERIT ANCHOR (AAJ TAK & NEWS 18)

**SEMINAR DIRECTOR**



PROF. RPS YADAV  
DIRECTOR, SCHOOL OF HUMANITIES, UPRETOU

**CONVENOR**



DR. SATISH CHANDRA JAISWAL  
ASSISTANT PROF. JMC, UPRETOU

**ORGANISING SECRETARY**



DR. SADHANA SHRIVASTAVA  
ASSISTANT PROF. JMC, UPRETOU

### लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 06 जून, 2020 को "कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ० जगदीश उपासने जी तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा जी रही। मुख्य वक्ता पूर्व राज्य सभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक डॉ० तरुण विजय जी रहे। राष्ट्रीय वेबीनार का उद्घाटन एवं अध्यक्षता उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मा० कुलपति प्रो० के०एन० सिंह जी ने की।


इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ० सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ० साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में डॉ० धनंजय चोपड़ा, डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ० नीरज सचान, डॉक्टर अनिल पांडे, डॉक्टर नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉक्टर योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबीनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद जापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।



अतिथियों का स्वागत तथा संचालन करते हुए डॉ सतीश चंद्र जैसल



विषय प्रवर्तन करती हुई डॉ साधना श्रीवास्तव



**SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION**  
**U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ**


PRESENTS  
**NATIONAL WEBINAR**

ON

**MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC**


DATE: 6TH JUNE '20      TIME: 12 PM ONWARD

**KEYNOTE SPEAKER**




**MR. TARUN VIJAY**  
FORMER EDITOR PANCHJANYA  
 FORMER RAJYA SABHA MEMBER

**PATRON**




**PROF. K.N. SINGH**  
VICE CHANCELLOR  
 UPRTOU, PRAYAGRAJ

**CHIEF GUEST**




**MR. JAGDISH UPASANE**  
FORMER EDITOR, PANCHJANYA  
 FORMER VC : MCRPSV, BHOPAL

**SPECIAL GUEST**




**MS. NAVYJOT RANDHWA**  
EMINENT ANCHOR (AAJ TAK & NEWS 18)

**SEMINAR DIRECTOR**




**PROF. RPS YADAV**  
DIRECTOR, SCHOOL OF HUMANITIES, UPRTOU

**CONVENER**




**DR. SATISH CHANDRA JAISAL**  
ASSISTANT PROF. JMC, UPRTOU



SCAN TO REGISTER FOR THE WEBINAR

**ORGANISING SECRETARY**

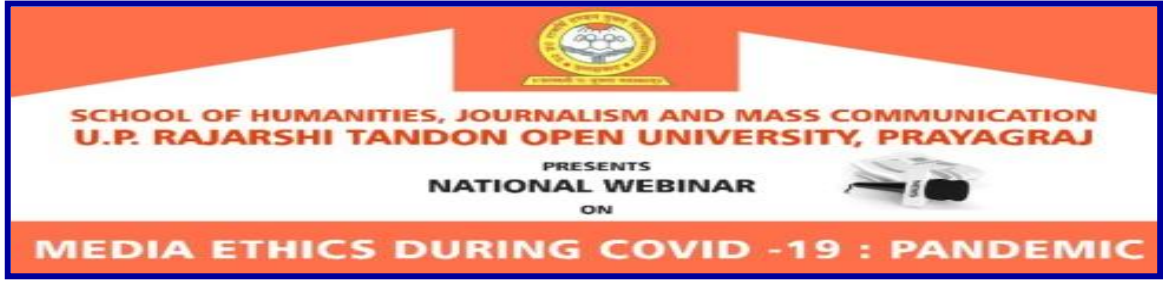


**DR. SADHANA SRIVASTAVA**  
ASSISTANT PROF. JMC, UPRTOU

**ORGANISING COMMITTEE :**  
 DR. VINOD KUMAR GUPTA | DR. RUCHI BAJPAI | DR. R.J. MAURYA | DR. SMITA AGRAWAL  
 DR. ABDUL RAHMAN | DR. SHIVENDRA PRATAP SINGH | DR. ANIL BHADAURIYA  
 DR. ATUL MISHRA | MR. MUKESH SINGH | DR. PRABHAT MISHRA | MR. RAJESH GAUTAM

**LAST DATE FOR REGISTRATIONS : 05TH JUNE 2020**  
 FOR MORE INFORMATION CONTACT US : PRNITLI.INFO@GMAIL.COM

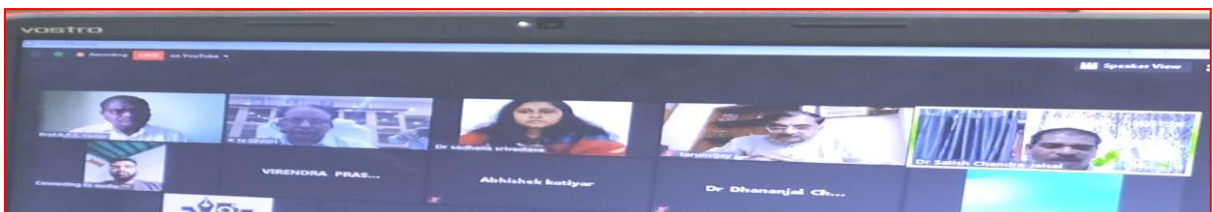


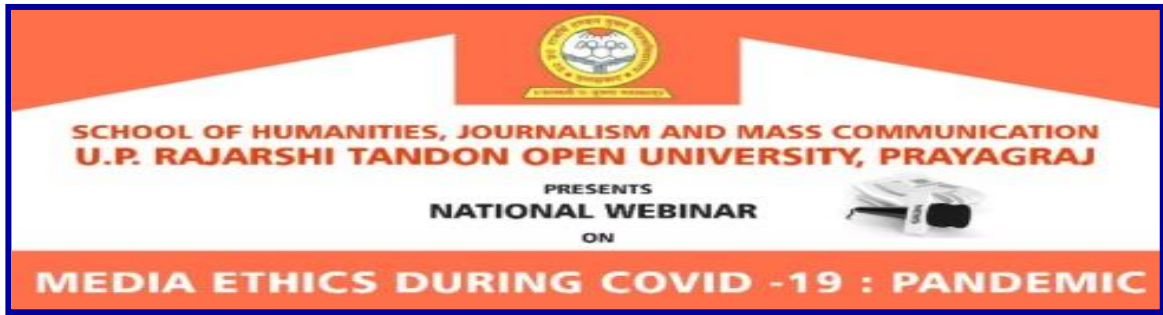


*अपने विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह*

### **लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।



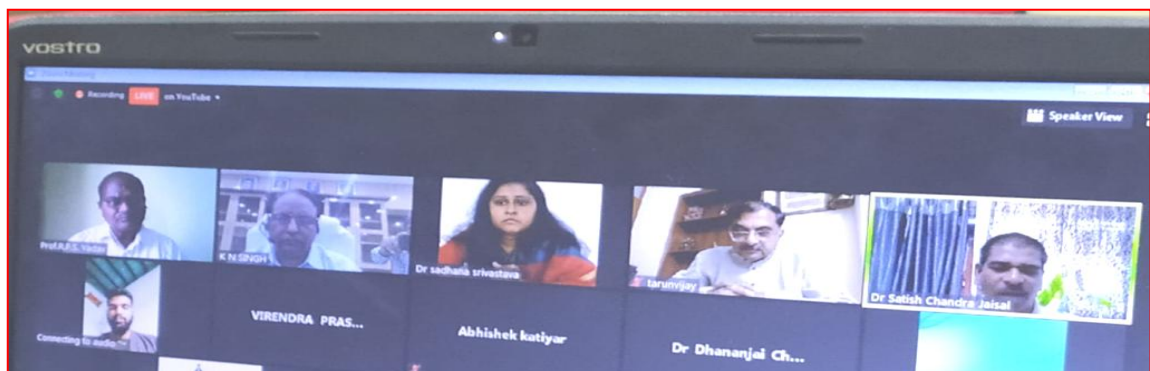


अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ० जगदीश उपासने

### भारतीय हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व – जगदीश उपासने

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ० जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।





SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION  
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

PRESENTS  
NATIONAL WEBINAR  
ON



**MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC**

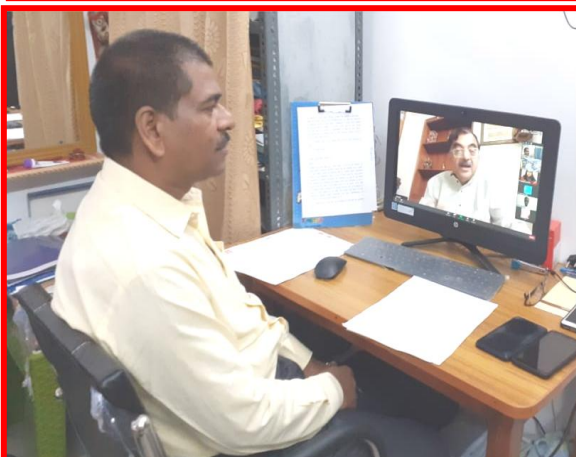


अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय

### सही तथ्यों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य- तरुण विजय

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

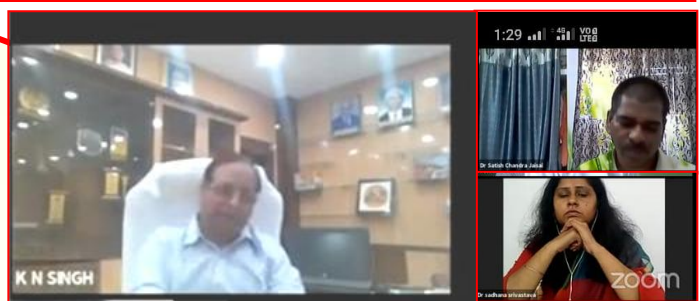
श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।



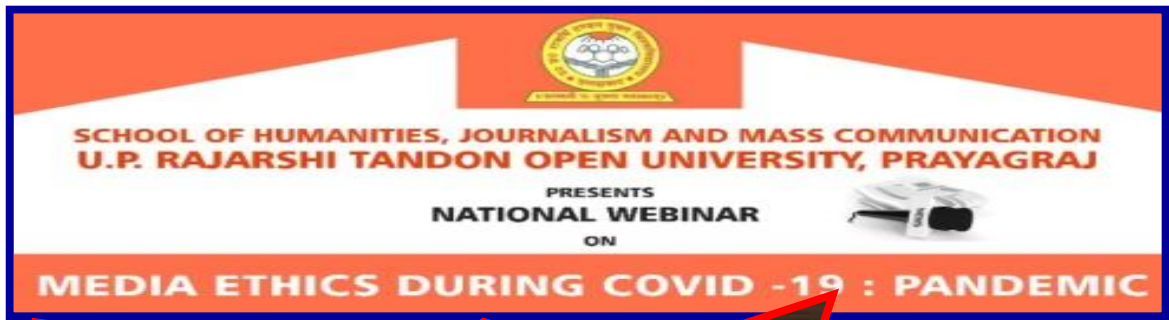


अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा

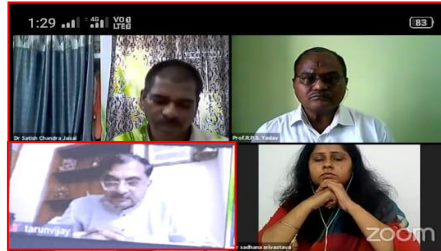
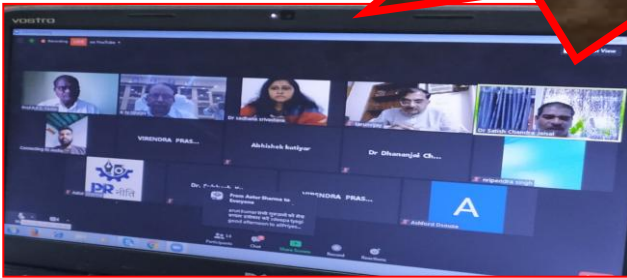
**शब्दों के चयन एवं भाषा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता-** नवजोत विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।



धन्यवाद जापन करते हुए मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव



## कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां



**Live chat**  
Top chat 100

1:12 PM रखा जा रहा है??

1:12 PM Yogendra Pandey Dr Yogendra Kumar Pandey, department of Journalism and Mass Communication, Shia Post Graduate College, Lucknow ,(U.P.), e-mail: yogendra.pdy@gmail.com

1:12 PM Y Y Informative session

1:12 PM Prashant Dhongle Why the media is going away from common people issues????

1:12 PM ColorBar Creation पत्रकारों के सामने जीविका का संकट खड़ा है इस समय

1:12 PM Nidhi Jain sir how to be impartial in the present time of journalism where is rat race of money making in Journalism

1:12 PM dr.shaktisingh rathod सर मैं आपसे पूछना चाहता हूँ बढ़िया भाई भतीजावाद क्यों करता है

1:12 PM Jhulia Bayot Angelica P. Casugbo

1:12 PM satyapal k ये सब बातों का सार यही लग रहा किसी एक को टार्गेट करना, ... भी बताए मीडिया मलिक कौन

**Live chat**  
Top chat 103

1:28 PM pradeep Sharma well said mam

1:28 PM Tripuresh Kumar Tripathi निष्पक्ष और सच्ची रपत्रकारिता भी एक प्रकार की समाज सेवा है, राष्ट्र की सेवा है, पर इस सेवा भाव का इस समय तेजी से क्षरण हो रहा है।

1:28 PM Abhilasha Sharma agree with u mam

1:28 PM Nidhi Jain command over language is essential. rightly said mam

1:28 PM pradeep Sharma information to good

1:28 PM kamal kishor शब्द व्यक्ति की पहचान बनते है।

1:28 PM BABITA SHUKLA Namaste Mam

1:28 PM MONIKA TIWARI आपके विचारों से सहमत हूँ

1:29 PM Vivek Mishra क्या नकारात्मक खबर, सकारात्मक खबर से ज्यादा अहम है ?

**Live chat**  
Top chat 109

1:22 PM Deepa Krishan welcome ma'am

1:22 PM Abhilasha Sharma good afternoon mam,

1:22 PM Kakuli Bhattacharya Good afternoon Mam. Kakuli Bhattacharya, Special Education Teacher, Balram Groups of Institution, Prayagraj, Uttar Pradesh, bhattacharyak586@gmail.com

1:23 PM Smita Agrawal उपरान्ते सर का व्याख्यान अत्यंत लाभदायक रहा

1:23 PM prema tripathi Dr Prerana Tripathi - good afternoon ma'am

1:23 PM Dr. Amit Saxena ysss

Welcome to live chat! Remember to guard your privacy and abide by our community guidelines.

[LEARN MORE](#)

**Studio**

Stream Finished

**MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC**

PR Niti

Playbacks	Peak concurrents	New subscribers
818	130	48
Duration	Total watch time	Avg. watch time
1:58:59	8 days	15:01

DISMISS EDIT IN STUDIO

**Live chat**

JOURNALS PRACTICE | THIRTE SESSION

LKY Talks धन्यवाद

Prem Prakash Dubey Thanks a lot

Sulekha Kumari 🌟🌟

Dr.Lopamudra Chakraborty Dr.Lopamudra Bhattacharjee , Assistant Professor , former Faculty Amity University, Dhaka Bangladesh, lopamudramou@gmail.com.

SK Barwar thanks

arun kumar धन्यवाद सर

MONIKA TIWARI बहुत बहुत शुक्रिया आदरणीय !

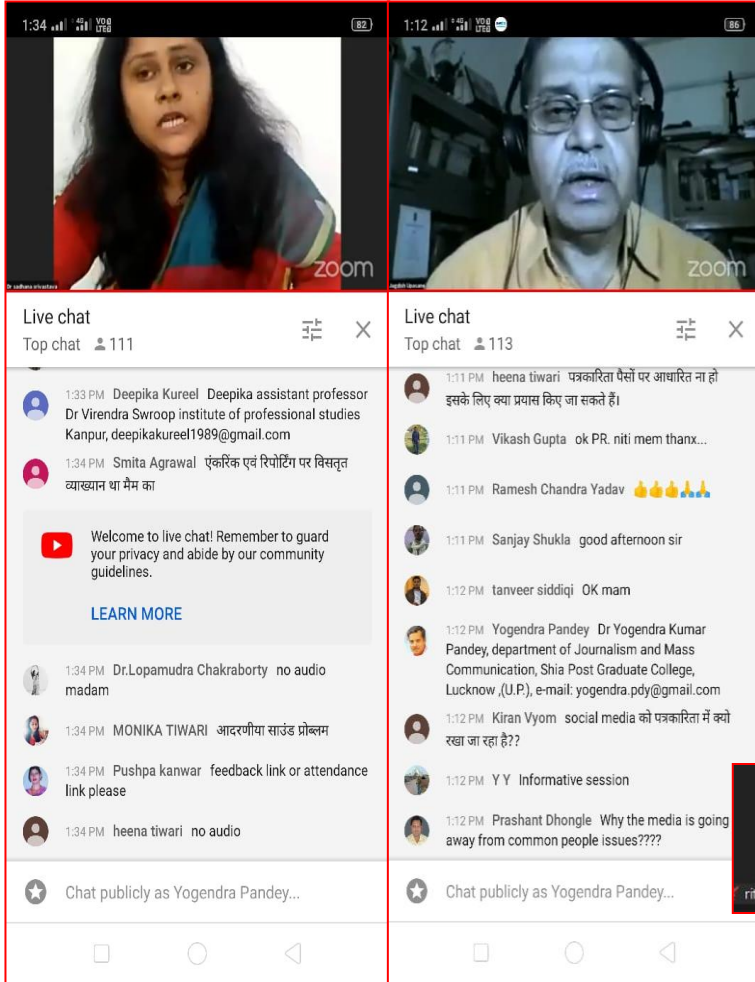
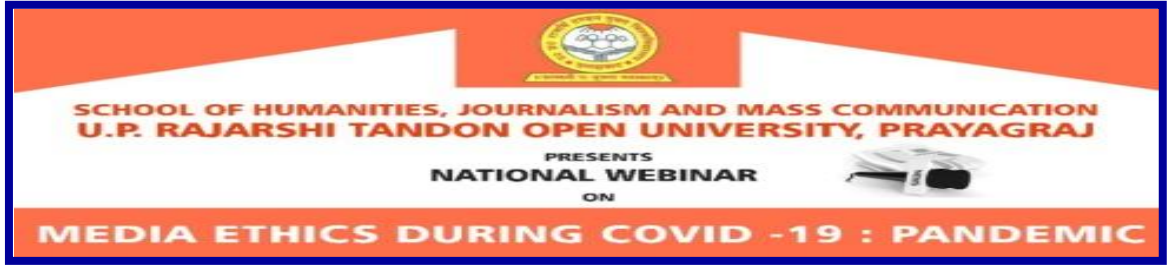
David Raja thank you sirs, for your valuable contribution.

Manoj Prajapati डा.मनोज प्रजापति manojprajapatidaksh@gmail.com

Shailesh Tripathi सभी आयोजक मंडल के सदस्य गण आप बधाई के पात्र हैं आप एक शानदार वेबिनार का आयोजन किया शैलेश कुमार त्रिपाठी

PR Niti

Say something...



## सवाल- जवाब

वेबिनार के आखिरी चरण में सवाल जवाब का सेशन हुआ जिसका संचालन पत्रकारिता विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया देश भर के कई राज्यों के सैकड़ों प्रतिभागियों ने सवाल पूछे जिसका जवाब वरिष्ठ पत्रकार जगदीश उपासने, तरुण विजय समेत कई विद्वानों ने दिया।



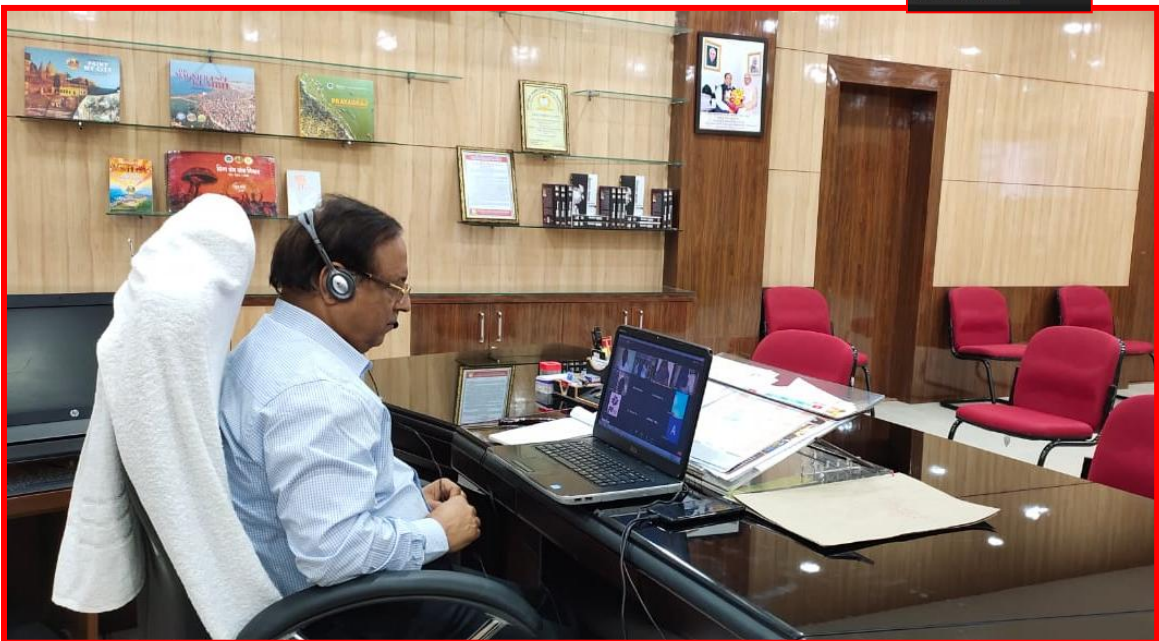
ritika puri



Digvijay Singh Rathore



DrSunil Kumar



कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह



Sat. Jun 6th, 2020



Home /

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

## मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

1 min read

1 hour ago Coverage India



### कुलदीप शुकला, कवरेज इण्डिया न्यूज डेस्क प्रयागराज।

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया।

वेबीनार में डॉ धनंजय चौपड़ा, डॉ दिव्यिजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबीनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

# JEEVAN EXPRESS



WORLD

EDITORIAL

SPORT

## National webinar organized on journalism in Open University

### STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ : The objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Covid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhantal Chaturvedi National Journalism University, former Vice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and inspire the society. Preservation of values and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in



jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present.

Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money. Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism. Distinguished guest noted

anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis. Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement. Dr.

Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, nearly 12 hundred participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.



प्रयागराज, रविवार ७ जून, २०२०

### लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता-प्रो. सिंह

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता को रखा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर है। प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। यह विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किया। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका

की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। नेशनल वेबिनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी

खबरों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा. सतीशचंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा. साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबिनार में डा. धनंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. सुनील कुमार, डा. नीरज सचान, डा. अनिल पांडे, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडेय आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब १२ सौ प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया।



For advertisement Please Contact Us:



Breaking News State News



## Media ethics from the spirit of Lokmangal- Professor Singh

Prayagraj, the objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Covid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhnala Chaturvedi National Journalism University, former Vice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and inspire the society. Preservation of values and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present. Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian

money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money.

Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism.

Distinguished guest noted anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis.

Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement.

Dr. Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, around 1200 participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.





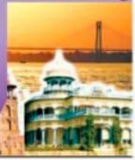
# जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आराधना को तैयार हो रहे मंदिर- 14



## प्रयागराज



### मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

नैनी। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित श्कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता पर विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। वहीं मुख्य



संबोधित करते कुलपति

रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है।

मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। वहीं मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक व राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें न प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या किया। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान

देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत व संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल और विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडेय, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज व डॉ योगेंद्र पांडेय मौजूद रहे। पत्रकारिता के इस सफल वेबीनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

## Aag Gorakhpur

Page 1

07-Jun-2020



ماحولیاتی آلودگی  
کوہ کے کیلئے زمین پر انسانوں  
کے ساتھ جو توجہ نہ دیا جاتا  
کا جو جنگی ریزرور ہے بہت ضروری  
ہے اور تہا سے کوئی رک نہیں سکتا



ماحولیاتی آلودگی  
کے لئے کوئی اور نہیں سکتا انسانوں کی  
دارمدر زمین پر کی طرح کی کھلی ماحول  
کوہ کوئی سے ماحولوں میں قدرتی  
آفات ہماری زندگی کا حصہ بن چکے ہیں

### عوامی جذبات سے ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ ممکن: پروفیسر سنگھ



پروفیسر سنگھ نے کہا کہ عوامی جذبات سے ہی میڈیا کے اخلاقیات کو تحفظ دیا جاسکتا ہے۔

کہا کہ یہ حالت جتنی طور پر سماج کی بھلائی اور ملک کی بھلائی کیلئے مفید ہے۔ انہوں نے کہا کہ اس کا اصل عوامی جذبات سے ہی کیا جاسکتا ہے جو آج کے دور میں میڈیا کیلئے ضروری ہے۔ پروفیسر سنگھ نے کوہ کے دور میں سماجیوں کے کردار کی تعریف کرتے ہوئے کہا کہ انہیں خبروں کی سچائی پر توجہ دینا چاہئے اور سچی خبریں ہی لائے سے پڑنا چاہئے۔ انہوں نے کہا کہ جنگ آزادی کے دوران مشن سے شروع ہوئی سماعت پر پیشین سے بھی آگے بڑھ چکی ہے۔ مہمان خصوصی ماسٹرن اہل چرواہی قومی سماعت یونیورسٹی بھوپال کے ماسٹرن جاس چائسلر جڈیشن ایسٹ نے سماعت میں اپنے خیالات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ میڈیا کا کام صرف خبریں دینا نہیں ہے بلکہ سماج کو جگانا اور ماسب کرنا

پریگ راج (نام نگار)۔ سماعت کا مقصد سماج میں خبریں اور بیداری پیدا کرنے کے ساتھ ساتھ عوامی جذبات کی ترقی کرنا ہے۔ عوامی جذبات ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ کر سکتی ہے۔ میڈیا کی مشیونری اور سماجی سماج کیلئے فائدہ مند ہے۔ ذرا تہ تقدیم سے ہی سماعت عوامی بھلائی اور بیداری کا ذریعہ رہی ہے۔ مذکورہ خیالات اتر پردیش راج راجی نظرن یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے میڈیا کے ذریعے سماعت کو ڈی-19 دہا کے دوران میڈیا کی اخلاقیات موضوع پر قومی سماعت میں ظاہر کئے۔ پروفیسر سنگھ نے خاص طور سے سماجی میڈیا کے ذریعے سماج میں بھلائی کیا رہی کہ واہمہ اور عدم اطمینان پر تشویش کا اظہار کرتے ہوئے

# सद्भावना का प्रतीक

वर्ष -10, अंक 35 बस्ती, रविवार 7 जून 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50

R.N.I. No. : UPHI

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह



उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक

उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। मिशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाण्डुजय के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या पित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय सविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और

संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रिण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में डॉ धर्नजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया। उक्त जानकारी जारी विज्ञापित में डॉ प्रभात चंद्र मिश्र मीडिया प्रभारी ने दी है।

### सद्भावना का प्रतीक समाचार प्रतापगढ़।

6 जून 2020 को पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की

नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए।

# इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 11 अंक : 67, प्रथमराज, रविवार 07 जून 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपये

सच का अधार ...

**कोरोना**

देश में मरीजों की संख्या 236657

मृतकों की संख्या 6642

ठीक हुये मरीज 114073

एक्सप्रेस

प्रयागराज

## भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व : जगदीश उपासने

प्रयागराज (हि.स.)। मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।

यह बातें मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने शनिवार को मुक्त चिन्ति द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान 'मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही ध्रुमक खबरें चिन्ता का विषय हैं। अधिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में प्लेग महामारी के समय तथा आपातकाल के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उदार-चलव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

**भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म: तरुण विजय**  
मुख्य बचा पांचजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें।

उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन

होगी।

**लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : कुलपति**  
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त



द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छे बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। यही भावना ही मीडिया के नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता

जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उन्होंने सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज तथा देश हित के लिए घातक है। इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और मनसनीखोज हेडलाइन से बचना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा।

कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ. सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबिनार में डॉ. धनंजय चोपड़ा, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नीरज सचान, डॉ. अनिल पांडे, डॉ. निलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ. योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया।

# आमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:12 बजे

सूर्यास्त : 06:56 बजे

वर्ष : 42

अंक : 161

प्रयागराज, रविवार 07 जून, 2020

पृष्ठ : 12

मूल्य : 3 रुपये

जोकोविच ने स्वास्थ्य

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : प्रो. सिंह मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार

(काशी प्रसाद जायसवाल)

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फ्लोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की

भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने



वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यांकन का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई

है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उदार-

चक्र देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा

कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करे। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को

टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अचूक बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संश्लेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेश पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबीनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।



## मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता: प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त बातें आज यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए।

प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि



उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में

झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पंचजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित

किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धर्म के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धर्म द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा.सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा.साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डा. ए. लंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठी, डा.सुनील कुमार, डा.नीरज सचान, डा.अनिल पांडे, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबीनार में करीब 92 सी प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।





## लोक मंगल की भावना की मीडिया की नैतिकता-प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोक मंगल की भावना का विकास करना है। लोक मंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही। यह बात राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विवि द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारंभ करते हुए कही।

प्रो. सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाये जा रहे कटुता अंध विश्वास पर चिंता

व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति समाज के लिए घातक है। इसका समाधान लोक मंगल की भावना से किया जा सकता है जो आज की

### मुक्त विवि में पत्रकारिता पर हुआ राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रो. सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनी खेद हेडलाइन से बचना चाहिए और स्वतंत्रता आंदोलन के

दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोसेशन से आगे बढ़ चली। इस अवसर पर मानखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति ने कहा कि मीडिया का काम सूचना देना नहीं बल्कि समाज को जगाने एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। इस अवसर पर सांसद तरुण विजय, नवजोत रनधावा, डा. सतीश जैसल, डा. साधना श्रीवास्तव, धनंजय चोपड़ा, सुनील कुमार, डा. नीरज सामान, डा. नंदिनी सिंह, डा. योगेन्द्र पाण्डेय ने अपने विचार रखे। वेबिनार में लगभग 1200 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

# लोकमंगल

प्रतापगढ़ | रविवार | 7 जून-2020

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो,

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित -कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता- विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में एक विचार प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाये जा रहे कटुता एवं अंधविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित लक्ष्य देना हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसबंदत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने

कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोसेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुद्रण अतिथि माध्यमस्थल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपरने ने वेबिनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जगृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता में दृढ़, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर अब रही धमक खबरों चिंतन की विषय पर। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का

निर्वहन मीडिया प्रांथ से करती आई है। इससे पूर्व भी अजगदी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उदार-चतुर्वेदी देते हैं। स्वतंत्रता में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें समाज युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। निरन्तर वेबिनार में मुख्य वक्ता पाण्डेय ने पूर्व संपादक तथा राजसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरों न प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कर्म का धर्म एवं कलम के अर्पण के रूप में व्यवहार वित्त किया। उन्होंने

कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय मन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में जगदीश मुसाविर शिवाहरसे पूर्व पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अर्पण कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छे खबरों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिव्यक्त से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करने होगी। विरिष्ट अतिथि प्रख्यात एकर नवजोत रंघावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संचरण के लिए भाषा एवं मध्यों के

चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में जगदीश मुसाविर शिवाहरसे पूर्व पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अर्पण कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छे खबरों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिव्यक्त से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करने होगी। विरिष्ट अतिथि प्रख्यात एकर नवजोत रंघावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संचरण के लिए भाषा एवं मध्यों के